PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Nai Dunia, Delhi
Thu, 23 Nov 2017, Page 2
Width: 31.29 cms, Height: 24.93 cms, a3r, Ref: 8.2017-11-23.16

सरकारी अस्पतालों में अंग प्रत्यारोपण, क्षमता बढ़ाने की दरकार : अनुप्रिया

सफदरजंग अस्पताल में देश के पहले टिश्यू बैंक का शुभारंभ

नई दिल्ली। ब्यूरो

सफदरजंग अस्पताल स्थित केंद्र सरकार के राष्ट्रीय अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन (नोटो) में देश का पहला राष्ट्रीय टिश्यू बैंक शुरू किया गया। बुधवार को केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने उसका शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने लोगों से अंगदान की अपील की। साथ ही सरकारी अस्पतालों में अंग प्रत्यारोपण सुविधा की कमी पर चिंता भी जाहिर की। उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पतालों में बुनियादी सुविधा व अंग प्रत्यारोपण क्षमता बढ़ाने की जरूरत है। ताकि नोटो के सहयोग से हो रहे अंगदान का फायदा गरीब मरीजों को भी मिल सके।

उन्होंने सफदरजंग अस्पताल की पहल की तारीफ की और कहा कि अधिक से अधिक सरकारी अस्पतालों को अंग प्रत्यारोपण के लिए आगे आना चाहिए। ताकि आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को प्रत्यारोपण सुविधा का लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि अभी देश में जीवित व्यक्ति (लाइव डोनर) के अंगदान से प्रत्यारोपण अधिक होता है। सिर्फ 23 फीसद ही कैडेवर (ब्रेन डेड) डोनर के अंगदान से प्रत्यारोपण हो पाता है। लोगों को यह समझना चाहिए कि लाइव डोनर से सिर्फ एक व्यक्ति को जिंदगी मिल सकती है। जबकि कैडेवर डोनर के अंगदान से नौ लोगों को जिंदगी मिल सकती हैं। लाइव डोनर अंगदान में खरीद फरोख्त भी होता है। इसलिए खरीद फरोख्त रोकने के लिए भी कैडेवर डोनर अंगदान को बढ़ावा देना जरू री है।

टिश्यू बैंक में -80 डिग्री पर सुरक्षित रहेगी हड्डियां, त्वचा व हार्ट वाल्व

राष्ट्रीय टिश्यू बैंक में -80 डिग्री पर अंगदान में मिली हड्डियां, त्वचा व हार्ट वाल्व को सुरक्षित रखा जा सकेगा। देश के किसी भी अस्पताल में अंगदान के दौरान हड्डियां, त्वचा, हार्ट वाल्व व कॉर्निया मिलने पर यहां सुरक्षित रखा जा सकेगा। नोटो के निदेशक डॉ. विमल भंडारी ने कहा कि अब तक पांच लोग त्वचा दान कर चुके हैं। त्वचा को पांच साल तक सुरक्षित रखा जा सकता है। हड्डियां भी कई सालों तक सुरक्षित रहती हैं। उन हड्डियों का इस्तेमाल कैंसर, हादसा पीड़ितों, घुटने व कूल्हे की बीमारियों से पीड़ित मरीजों की सर्जरी में हो सकता है। उन्होंने कहा कि वैसे तो 25-30 तरह के टिश्यू डोनर से लिया जा सकता है लेकिन फिलहाल हड्डियां, त्वचा, हार्ट वाल्व व कॉर्निया ही टिश्यू बैंक में रखा जाएगा। दान में मिले टिश्यू को मरीजों में प्रत्यारोपण के लिए अस्पतालों को किस आधार पर वितरण होगा नोटो उसकी नीति तैयार कर रहा है। जल्द ही नीति तैयार हो जाएगी।